श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य

मूलमूल्यानि

(Core Values)

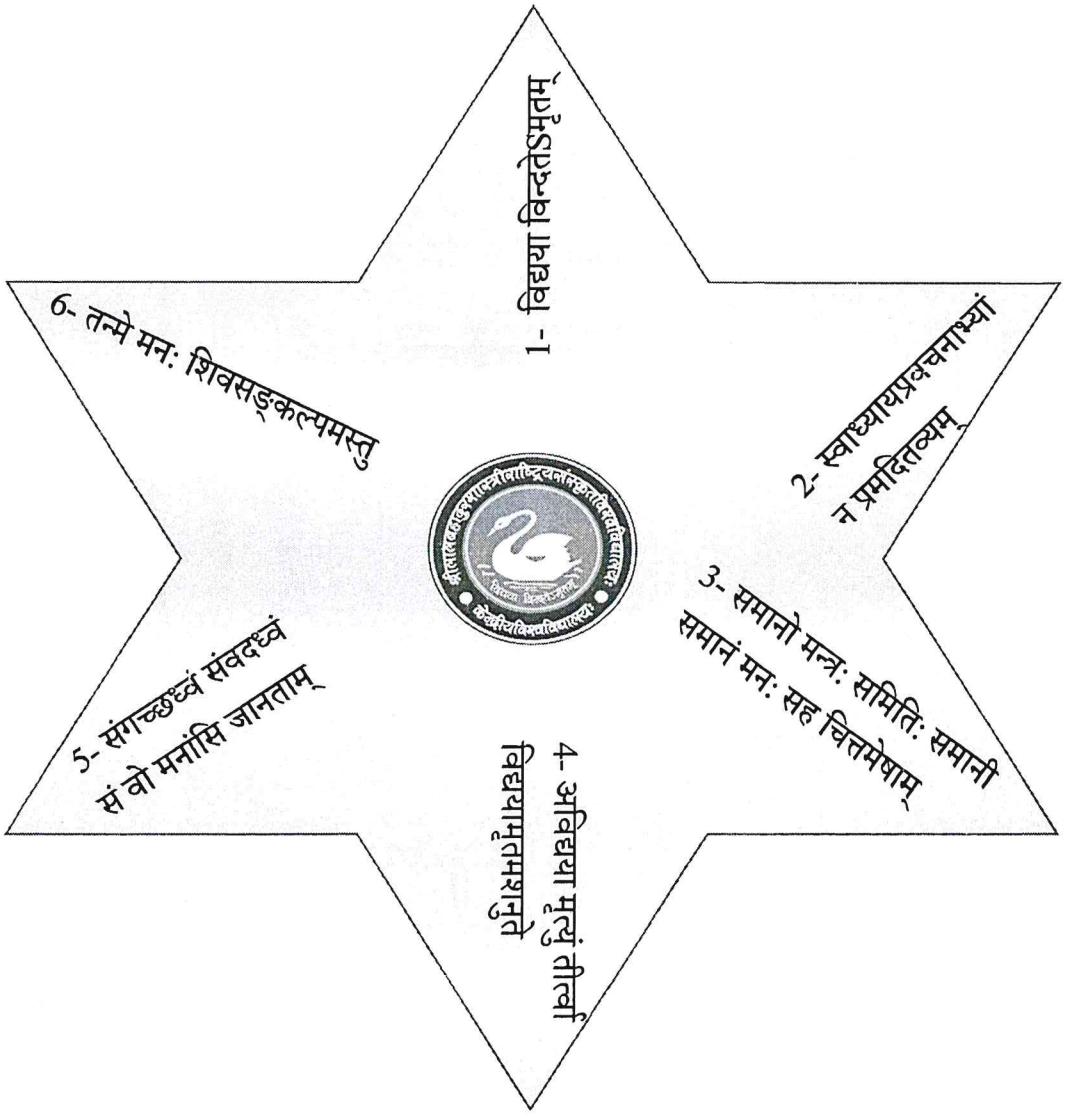

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL SANSKRIT UNIVERSITY

(Central University)

B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

मूलमूल्यानि -

ज्ञानस्योपासनायै समर्पितस्य श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य मूलमूल्येषु वैदिकवाङ्मयस्य मार्गदर्शनं प्रेरणा च निहितमस्ति। यथा -

1- **विद्यया विन्दतेऽमृतम्** - वैदिकवाङ्मये द्विविधा विद्या - परा अपरा चेति मन्यते। अपरा विद्या भौतिकोन्नतेः, पराविद्या च आध्यात्मिकोन्नतेः साधिका। उभाभ्यां सहैव साधनेनामृतत्वं सम्भवति, अतः वेदस्येदं वचनं भौतिक-आध्यात्मिकज्ञानयोः निरन्तरं साधनार्थमभिप्रेरयति। एवं प्रकारेण अयं मन्त्रः अस्मान् ज्ञानस्य उपासनां कर्तुं सर्वदा प्रचोदयति।

2- **अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययामृतमश्नुते** – वेदाः सार्वभौमिकज्ञानस्य स्रोतांसि सन्ति, ये आत्मानुभूति-आत्मप्रबोधन-आध्यात्मिकविकासैः सह सुस्थिरजीवनाय सांसारिक(भौतिक)ज्ञानार्थमपि अभिप्रेरयन्ति। इत्थं विश्वविद्यालयः विभिन्नशैक्षणिककार्यक्रमाणां गुणवत्तायुक्तानुसंधानकार्याणाञ्च माध्यमेनेदं मूलमूल्यं पोषयति।

3- **स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्** – स्वाध्यायात्मनिरीक्षणाभ्याञ्च गहनावबोधो भवति। अपि च प्रभावपूर्णप्रवचनैः (सम्प्रेषणैः) विचाराणां सम्यगभिव्यक्तिः सम्भवति। विश्वविद्यालयः स्वमूलमूल्यस्य रूपेण ज्ञानार्जने निरन्तरं प्रयासकरणायानुकूलशैक्षिकवातावरणं प्रददाति, येन प्रभावपूर्णशिक्षणाधिगमाय प्रोत्साहनं लभ्यते।

4- **समानो मन्त्र: समिति: समानी समानं मन: सह चित्तमेषाम्** - संस्थायां सेवार्थं समर्पितान् सर्वान् जनान् प्रोत्साहयितुं, मतैक्यस्य भावं सर्जयितुं, लक्ष्यसाधनं प्रति सह गमनेनाग्रेसरस्य भावना समुत्पादयितुञ्चायं वैदिकमन्त्रः विश्वविद्यालयस्य मौलिकमूल्येष्वन्यतमोऽस्ति। विश्वविद्यालयस्योद्देश्यं स्वतन्त्रता, समानता, न्यायः, भ्रातृत्वं, लोकतन्त्रं, नागरिकता चेत्यादीनां संवैधानिकमूल्यानां प्रचारः प्रसारश्चास्ति। वैज्ञानिकदृष्टिकोणेन सह प्रौद्योगिकविकासाय संस्कृतभाषायां निबद्धानां प्राचीनशास्त्राणामनुसन्धानाय प्रोत्साहनम्। एतदर्थं विश्वविद्यालयस्याभ्युदयाय सर्वेषां हितैषिषु समितिषु च समभावः, मतैक्यता, लोकतान्त्रिकदृष्टिकोणश्च विकसितो भवेदिति।

5- **संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्** — विश्वविद्यालयस्य मुख्यं लक्ष्यमेतादृशमेकं पारिस्थितिकीतन्त्रं विकसितकरणमस्ति यत्र संस्कृतभाषा जनमानसाय सर्वाधिकानुकूलभाषारूपेण स्थापिता भवेत्। अत उद्देश्यानुरूपं सर्वे सम्यक् चलन्तु सम्यक् वदन्तु, सम्यक् मनोयुक्तांश्च भवेयुः। सत्यम्, अहिंसा, शान्तिः, धैर्यम्, एकता, मानवता, मैत्री, समावेशी, सततविकासात्मकदृष्टिकोणश्चेत्येतैः सहैव भवेत्।

6- **तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु** – भारतीयज्ञानपरम्परायामधिगमस्यानुभवस्य योग्यतायाः मूल्यानां कौशलानाञ्च विकासः तदैव सम्भवति, यदास्माकं मनः शिवसंकल्पेन युक्तम्भवेत्। वेदमन्त्रोऽयम्मूलभूतमूल्यानां प्राप्तये शिवसंकल्पितं भूत्वा निरन्तरं कर्तव्यपथेऽग्रसरार्थं नः प्रचोदयति।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

मूल मूल्य -

ज्ञान की उपासना के लिए समर्पित श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मूल मूल्यों में वैदिक वाङ्मय का मार्गदर्शन तथा अभिप्रेरणा सन्निहित है। जैसे -

1- **विद्यया विन्दतेऽमृतम्** - वैदिक वाङ्मय में विद्या के दो भेद परा और अपरा माने गये हैं। अपरा विद्या भौतिक उन्नति की तथा परा विद्या आध्यात्मिक उन्नति की साधिका है। इन दोनों के एक साथ साधन से ही अमृतत्व सम्भव है, अतः वेद का उपर्युक्त वचन भौतिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान के लिए निरन्तर साधना हेतु अभिप्रेरित करता है। इस प्रकार यह मन्त्र ज्ञानोपासना के लिए हमें सर्वदा प्रेरणा देता रहता है।

2- **अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययामृतमश्नुते** – वेद सार्वभौमिक ज्ञान के स्रोत हैं जो आत्मानुभूति, आत्मप्रबोधन और आध्यात्मिक विकास के साथ-साथ सुस्थिर जीवन के लिए सांसारिक (भौतिक) ज्ञान के लिए अभिप्रेरित करते हैं। इस प्रकार, विश्वविद्यालय विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कार्यों के माध्यम से इस मूल-मूल्य का पोषण करता है

3- **स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्** - स्वाध्याय और आत्मनिरीक्षण से गहन अवबोध होता है और प्रभावी प्रवचन (सम्प्रेषण) के द्वारा विचारों की सम्यक् अभिव्यक्ति सम्भव हो पाती है। विश्वविद्यालय अपने मूल-मूल्य के रूप में ज्ञान अर्जन में निरन्तर प्रयास करने के लिए अनुकूल शैक्षिक वातावरण प्रदान करता है, जिससे प्रभावी शिक्षण-अधिगम को प्रोत्साहन मिलता है।

4- **समानो मन्त्रः समितिः समानी समानं मनः सह चित्तमेषाम्** - संस्था में सेवार्थ समर्पित सभी जनों के उत्साहवर्धन, मतैक्यता एवं लक्ष्यप्राप्ति की ओर साथ चलने की भावना समुत्पादित करने के लिए यह वैदिक-मन्त्र विश्वविद्यालय के मूल्यों में से अन्यतम है। स्वतन्त्रता, समानता, न्याय, भ्रातृत्व, लोकतन्त्र और नागरिकता जैसे संवैधानिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना विश्वविद्यालय का ध्येय है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ प्रौद्योगिक विकास के लिए संस्कृतभाषा में निबद्ध प्राचीन शास्त्रों के अनुसन्धान को प्रोत्साहित करना। एतदर्थ विश्वविद्यालय के अभ्युदय हेतु सभी हितैषियों व समितियों में समभाव, मतैक्यता व लोकतान्त्रिक दृष्टकोण विकसित करना।

5- **संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्** –विश्वविद्यालय का मूल लक्ष्य एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करना है, जहाँ संस्कृत भाषा जनमानस के लिए सबसे अनुकूल भाषा के रूप में स्थापित हो सके। अतः सभी को उद्देश्य के अनुरूप सम्यक् चलना, सम्यक् बोलना तथा सम्यक् मनवाला होना होगा। सत्य, अहिंसा, शान्ति, धैर्य, एकता, मानवता, मैत्री, समावेशी और सतत विकासात्मक दृष्टिकोण में साथ-साथ रहना होगा।

6- **तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु** – भारतीय ज्ञान परम्परा में अधिगम, अनुभव, योग्यता, मूल्य और कौशल का विकास तभी सम्भव है, जब हमारा मन कल्याणकारी संकल्प से युक्त हो। यह वेदमन्त्र मूलभूत मूल्यों की प्राप्ति हेतु हमें शिवसंकल्पित होकर निरन्तर कर्तव्यपथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Core Values –

The Core value of Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University is dedication towards the worship of knowledge, taking inspiration from Vedic literature.

1- **विद्यया विन्दतेऽमृतम्** - Vedic literature depicts two types of knowledge systems Para and Apara. Apara Vidya is the means of materialistic growth and Para Vidya is the means of spiritual development which is possible only by practicing both of them together. Hence, this sukti of Veda inspire us for worship of knowledge and to continuously attain materialistic and spiritual knowledge.

2- **अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययामृतमश्नुते** – Vedas are source of Universal knowledge inspiring self-realisation, enlightenment and spiritual development along with worldly knowledge for sustenance. Thus, the University nurture this core value through various academic programs and quality research work.

3- **स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्** - Self -study and introspection leads to deeper understanding and enables effective communication and expression of thoughts. University as its core value provides conducive educational environment for persistent effort in acquisition of knowledge which leads to effective teaching learning process.

4- **समानो मन्त्र: समिति: समानी समानं मन: सह चित्तमेषाम्** - This Vedic Mantra is one of the core value of the university to generate the spirit of encouragement unanimity and moving together towards the goal among the people serving in the university. The aim of the university is to propagate constitutional values like freedom equality justice fraternity democracy and citizenship. University also emphasizes research for technological development through ancient scriptures written in Sanskrit language along with scientific temper. To develop the vision for prosperity the university promote equanimity, unanimity & democratic vision among all the stakeholders and committee members.

5- **संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्** – The main objective of the university is to develop such an ecosystem where Sanskrit language can be established as the most suitable language for masses. Therefore, everyone has to take action in proper way, speak properly and have a right mind-set in accordance with the objective. Truth, non-violence, peace, patience, unity, humanity, friendship, inclusiveness and sustainable developmental approach should be followed by all.

6- **तन्मे मन: शिवसङ्कल्पमस्तु** – In the Bhartiya knowledge tradition, the development of learning, experience, competence, values and skills is possible only when our mind is endowed with welfare resolve. To achieve the goal of inculcating values, this Vedic mantra inspires us to continuously move forward on the path of duty with Shiva-Sankalpa.

निदेशक
प्रशासनिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016